Annual Report

on

UNNAT BHARAT ABHIYAN

K. N. Govt. P. G. College, Gyanpur, Bhadohi, U.P.

(2024-25)

Submitted by

Dr. Rashmi Singh

Nodal Officer

K. N. Govt. P. G. College, Gyanpur, Bhadohi

K. N. Government P. G. College, Gyanpur, Bhadohi-221304, U.P.
(Accredited B+ Grade by NAAC 2023)
Supported with: DBT Star College Scheme and DST-FIST
Affiliating University: Maa Vindhyavasini University, Mirzapur, U.P.
Email: kngpggyn@gmail.com website: www.kngpgc.ac.in

K. N. Govt. P. G. College has adopted five villages, Gopipur, Girdharpur, Chaktodar, Bhusaila and Lalanagar under Unnat Bharat Abhiyan. The Nodal officer Dr. Rashmi Singh alongwith her team organizes several awareness programmes and skill based programmes for the better livelihood of the rural people. The description of team and programme organized are as follows:

नोडल अधिकारी: डा0 रश्मि सिंह

समिति 1

गाँव का नाम : गिरधरपुर

संयोजक : डा0 रवींद्र कुमार पाण्डेय

सदस्य: 1. डा0 रणजीत सिंह

2. डा0 सौम्या मिश्रा

समिति 2

गाँव का नाम : भुसौला

संयोजक : डा0 अभिमन्यु यादव

सदस्य: 1. डा0 इरा त्रिपाठी

2. डा0 मधु

समिति 3

गाँव का नाम : गोपीपुर

संयोजक : डा0 संतोष कुमार आर्य

सदस्य: 1. डा0 श्रीश उपाध्याय

2.डा0 जान्हवी

समिति 4

गाँव का नाम : चक-टोडर

संयोजक : डा0 एस0 पी0 मिश्र

सदस्य: 1. डा0 रवि कुमार यादव

2. डा0 विपुल कुमार

समिति 5

गाँव का नाम : लालानगर

संयोजक : डा0 रश्मि सिंह

सदस्य: 1. डा0 शेफाली सिंह

2. डा0 गीता यादव

वाह्य सदस्य: 1.डा0 कमाल अहमद सिद्दीकी

2. डा0 मधु शास्त्री

प्रो0 रमेश चंद्र यादव
प्राचार्य
PRINCIPAL
K.N. Govt. P.G. College
Gyanpur (Bhadohi)-221304

Report on coloring the Unnat Bharat Abhiyan through Tie and Dye Technique

Date: 28/11/2024

Venue: Village Gyanpur Dehati

Summary: On November 28, 2024, a skill development workshop was organized in Upper Primary School, Kanshirampur with the aim of empowering rural adolescent girls in the village Gyanpur Dehati, selected for conducting Unnat Bharat Abhiyan by Kashi Naresh Government Post Graduate College. Dr. Rashmi Singh, the nodal officer of the program, said that in this workshop, adolescent girls and women were taught the method of dyeing clothes through tie and dye method. The main objective of this workshop was to empower the adolescent girls and provide them with the means to earn their livelihood. Dr. Janhvi Tripathi provided this training through different colors and techniques. For tie and dye, 2 meter cotton cloth was soaked in water a day before and washed, which removed the lint from the cloth. After that it was dried and ironed. Later, 16 handkerchiefs were prepared from this cloth and at the project site, coins, gram, moong, etc. were tied tightly and knotted on different handkerchiefs. Apart from this, designs were created on some handkerchiefs by different types of twists and some But different flower shaped designs were made with hair pins. After that the color was prepared in which 2 liters of water was boiled on a furnace and the fixer and color were mixed. After 5 minutes, the furnace was switched off and all types of designed handkerchiefs were put in the prepared color solution and the handkerchiefs were colored while stirring to apply uniform color on all the handkerchiefs. Then the dyed clothes were taken out and kept on paper to dry in the shade. After drying, when the knots were untied from these handkerchiefs, very beautiful designs were produced. The girls gathered in the workshop enthusiastically learned the method of dyeing clothes through hands on training. . Chief Minister Fellow Dr. Madhu, who is providing support in the program on behalf of the district administration, said that there is a need to empower rural women socially, equip them with various skills and knowledge so that they can develop self-confidence and this workshop is aimed at this. Completes the thinking. Dr. Santosh Kumar Arya, Dr. Shreesh Upadhyay, Mr. Prateek Malviya, Aanchal Upadhyay, Kusum and upper primary school teachers provided their support in the program.

Youtube link: https://youtu.be/SQ6uDfQGb_I?si=KNOeim8ohn2buLAD

K. N. Government P. G. College, Gyanpur, Bhadohi-221304, U.P.
(Accredited B+ Grade by NAAC 2023)
Supported with: DBT Star College Scheme and DST-FIST
Affiliating University: Maa Vindhyavasini University, Mirzapur, U.P.
Email: kngpggyn@gmail.com website: www.kngpgc.ac.in

महिलाओं को सशक्त बनाने की जरूरत

संवाद न्यूज एजेंसी

ज्ञानपुर। काशी नरेश राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय की ओर से उन्नत भारत अभियान के तहत पूर्व माध्यमिक विद्यालय कांशीरामपुर में कौशल विकास कार्यशाला आयोजित की गई।

इसमें ग्रामीण किशोरियों को सशक्त बनाने पर बल दिया गया। नोडल अधिकारी डॉ. रश्मि सिंह ने किशोरियों और महिलाओं को टाई और डाई विधि से कपड़ों को रंगने की विधि बताई।

कहा कि किशोरियों को सशक्त बनाने और उन्हें आजीविका चलाने के साधन की तकनीक प्रदान करना ही मुख्य उद्देश्य है। डॉ. जान्हवी त्रिपाठी ने विभिन्न रंगों और तकनीकों के माध्यम से जानकारी दी।

पूर्व माध्यमिक विद्यालय कांशीरामपुर में जानकारी देतीं प्रशिक्षक। स्रोत: कॉलेज

इसके अलावा अलग-अलग रुमाल पर सिक्के, चना, मूंग, आदि धागे से टाइट बांधकर गांठ लगाई गई। मुख्यमंत्री फेलो डॉ. मधु ने कहा कि ग्रामीण महिलाओं को सामाजिक रूप से सशक्त बनाने, उन्हें कई तरह के कौशल और ज्ञान से लैस करने की जरूरत है।

जिससे उनमें आत्मविश्वास पैदा हो सके और यह कार्यशाला इसी सोच को पूर्ण करती है। इस मौके पर डॉ. संतोष कुमार आर्य, श्रीश उपाध्याय, प्रतीक मालवीय, आंचल उपाध्याय, कुसुम आदि रहीं।

हिन्दुस्तान

कौशल विकास की दी गई जानकारी

भदोही, संवाददाता। काशी नरेश राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय द्वारा चल रहे उन्नत भारत अभियान के तहत गुरुवार को उच्च प्राथमिक विद्यालय कांशीरामपुर में कौशल विकास कार्यशाला का आयोजन हुआ। इसमें नोडल अधिकारी डा. रमिश्म सिंह द्वारा किशोरियों एवं महिलाओं को टाई एवं ड्राई विधि से कपड़ों को रंगीन बनाने की विधि बताई गई।

इस दौरान रश्मि सिंह ने बताया कि आजीविका चलाने के साधन की तकनीक प्रदान करने को कार्यक्रम चल रहा है। डा. जान्हवी त्रिपाठी ने विभिन्न रंगो और तकनीकों के माध्यम से यह ट्रैनिग प्रदान की। टाई एंड डाई करने

उच्च प्राथमिक विद्यालय कांशीरामपुर में कार्यशाला में उपस्थित शिक्षक-शिक्षिकाएं।

को दो दो सूती कपड़े को एक दिन पहले पानी में भिगो के धुल दिया गया। इससे कपड़े की माड़ी हट गई। फिर सुखाकर आयरन कर लिया गया। बाद में इस कपड़े की 16 रुमाल तैयार की गई एवं परियोजना स्थल पर अलग-अलग रुमाल पर सिक्के, चना, मूंग आदि धागे से टाइट बांधकर गांठ लगाई गई। इस मौके पर डा. संतोष कुमार आर्य, डा. श्रीश उपाध्याय आदि उपस्थित रहे।

Report on Poshan Vaatika

Date: 28/11/2024

Venue: Village Lalanagar

Summary: Today, on 30 November 2024, a workshop on the topic of Nutrition Garden was organized in the village Lalanagar selected under the Unnat Bharat Abhiyan by Kashi Naresh Government Post Graduate College. The keynote speaker of the program, Dr. Sudarshan Maurya, Principal Scientist, Indian Vegetable Research, Varanasi, gave detailed information about the methods of growing nutritious vegetables to the rural women gathered at the venue of the event, Composite School Complex, Lalanagar. He told that women can earn income by selling extra produce in local markets. This can help them become more financially independent and contribute to the economic strength of their communities. The women satisfied their curiosity by asking questions with the keynote speaker. Dr. Shefali Singh said that kitchen gardening can be a good source of employment for women who are unable to work outside their homes due to social norms. In this sequence, Dr. Geeta Yadav gave information about how to use kitchen waste as fertilizer in kitchen gardening. Chief Minister Fellow Dr. Madhu shared the ways for pregnant, lactating, teenage women to stay healthy to keep women away from health related diseases. Gave information about various departmental government schemes so that the beneficiaries can benefit.

At the end of the program, Dr. Rashmi Singh, enhancing the usefulness of the workshop, distributed various types of seeds brought by the keynote speaker like spinach perennial, radish, cowpea, cowpea and okra, which will prove to be very helpful for kitchen gardening.

Youtube Link: https://youtu.be/sb7l_0ohAIo?si=3fhc5j27dsr41QXx

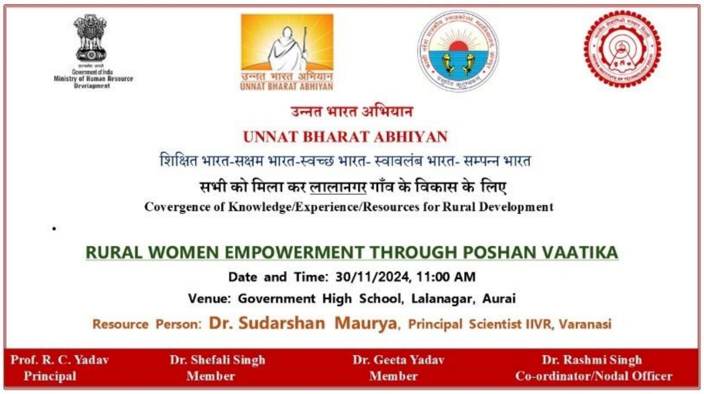

पोषक सब्जियों को उगाने के बताए तरीके

जागरण संवाददाता, ज्ञानपुर (भदोही) : काशी नरेश राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय की ओर से उन्नत भारत अभियान अंतर्गत चयनित गांव लालानगर में शनिवार को पोषण वाटिका विषय पर कार्यशाला का आयोजन हुआ। मुख्य वक्ता डा. सुदर्शन मौर्य, प्रधान विज्ञानी भारतीय सब्जी अनुसंधान वाराणसी ने आयोजन स्थल कंपोजिट विद्यालय परिसर में एकत्रित महिलाओं को पोषण प्रदान करने वाली सब्जियों को उगाने के तरीके की जानकारी दी। बताया कि महिलाएं स्थानीय बाजारों में अतिरिक्त उपज बेचकर आय अर्जित कर सकती हैं। इससे उन्हें आर्थिक रूप से अधिक स्वतंत्र होने और अपने समुदायों की आर्थिक मजबूती में योगदान करने में मदद मिल सकती है। महिलाओं ने मुख्य वक्ता से सवाल कर अपनी जिज्ञासा शांत की।

डा. शेफाली सिंह ने कहा किचन गार्डनिंग उन महिलाओं के लिए रोजगार का एक अच्छा स्रोत हो सकता है।सामाजिक मानदंडों के कारण अपने घर से बाहर काम करने में जो असमर्थ हैं वह अपने घर में ही किचन गार्डनिंग कर सकती हैं। डा. गीता यादव ने किचेन वेस्ट को रसोई बागवानी में खाद के रूप में प्रयोग करने के तरीके की जानकारी दी। मुख्यमंत्री फेलो डा. मधु ने महिलाओं को स्वास्थ्य संबंधित बीमारियों को दूर रखने के लिए गर्भवती, धात्री, किशोरी, महिलाओं को स्वस्थ रहने के तरीके को साझा किया। संबंधित विभिन्न विभागीय सरकारी योजनाओं के बारे में जानकारी दी जिससे लाभार्थी लाभान्वित हो सके। कार्यक्रम के अंत में डा. रश्मि सिंह ने कार्यशाला की उपादेयता बताते हुए मुख्य वक्ता द्वारा लाए गए विभिन्न प्रकार के बीजों जैसे पालक बारहमासी, मूली, लोबिया, कोहड़े और भिंडी का वितरण किया। यह रसोई बागवानी के लिए अत्यंत सहायक सिद्ध होंगे।

लालानगर में पोषण वाटिका विषय पर आयोजित कार्यशाला में ग्रामीण महिलाओं को जानकारी देते डा . सुदर्शन मौर्य व केएनपीजी कालेज के शिक्षक • जागरण

Report on ready-to-eat food or convenient-accessible food items for lactating women

Date: 12/12/2024

Venue: Village Bhusaula

Summary: On December 12, Unnat Bharat Abhiyan Team of Kashi Naresh Government College manufactured and demonstrated ready-to-eat food or convenient-accessible food items in the composite primary school of Bhusaula village. Ready-to-eat food is pre-cooked, pre-packaged food that can be consumed with little or no cooking. Most often, it is simply heated or lightly cooked for a few minutes. These food items are also called accessible food.

Women of Anganwadi of the village, school principal, assistant head and other associates and children were present in the program. Women were taught some convenient recipes or food methods which are prepared in less time but have high nutritional value.

At the beginning of the program, Dr. Abhimanyu Yadav from Department of Chemistry, discussed about Unnat Bharat Abhiyan. He told that the outline of the program is being run by the Government of India on the proposal of IIT, New Delhi under which various programs will be organized for the all-round development of the villagers.

Dr. Ira Tripathi, Professor, Department of Home Science, said that due to various domestic commitments and responsibilities, women often do not take care of their health and are affected by various malnutrition related diseases. Along with this, due to ignorance related to nutrition, their children also suffer from malnutrition. They become victims and their ability to fight diseases reduces. To overcome the lack of time and nutritional ignorance, ready to eat or premixed food items can help like a boon.

After this, Dr. Madhu, Home Science Professor, told about the facilities available under government schemes to the women registered in Anganwadi. She told about the system of distribution of nutritious food to pregnant and lactating women by the government in Anganwadi. Along with this, information was shared with the women about the food items available to them in Anganwadi. After this, the importance of coarse grains was explained, in which the nutritional elements of Ragi, Jowar and Bajra were explained and also the lifestyle which is spreading day by day in today's era. Explained about the contribution of nutrients found in millets like iron, zinc, calcium, antioxidants and omega fatty acids in related diseases. After this, demonstration of recipes

made from coarse grains were shown. These included quick idli mix – made from semolina, South Indian dry chutney podi – made from linseed or tishi, home made cerelac powder for children – peanuts, makhana parboiled rice, ragi flour. , yellow moong dal, ragi or madhua chilla, and drumstick leaves and millet paratha demonstration method Anganwadi CM Fellow Dr. Madhu Shastri, Panchayat Assistant Revati and Village Head Sushila Yadav and Home Science Department students Nirjala, Sandhya, Shraddha, Reshma and Kusum also helped in making the program successful.

रेडी टू ईट्स भोज्य पदार्थ स्वास्थ्य के लिए वरदान

संवाद सहयोगी, जागरण ज्ञानपुर (भदोही) : काशी नरेश राजकीय महाविद्यालय ज्ञानपुर के गृह विज्ञान विभाग की ओर से उन्नत भारत अभियान के तहत भुसौला गांव स्थित कंपोजिट विद्यालय में रेडी-टू-ईट फूड या सुविधाजनक-सुलभ भोज्य पदार्थ का निर्माण और प्रदर्शन किया गया।

विभाग प्रभारी डा. ईरा त्रिपाठी ने बताया कि विभिन्न घरेलू व्यस्तता व जिम्मेदारी के चलते अक्सर महिलाएं अपने स्वास्थ्य का ध्यान नहीं रखती। इससे विभिन्न कुपोषण जनित बीमारियों से प्रभावित होती हैं। पोषण संबंधी अज्ञानता से बच्चे भी कुपोषण का शिकार होते हैं और उनकी रोगों से लड़ने की क्षमता कम हो जाती है। समय की कमी और पोषण अज्ञानता को दूर करने हेतु रेडी टू ईट या प्रीमिक्स (पूर्वमिश्रित) भोज्य पदार्थ एक वरदान सावित हो सकता है। बताया कि रेडी-टू-ईट फूड पहले से थोड़ा पका हुआ और पैक किया हुआ पूर्व मिश्रित भोजन होता है। जिसे कम तैयारी या बिना पकाये ही प्रयोग कर सकते हैं। रसायन विभाग के डा. अभिमन्यु ने उन्नत भारत अभियान पर चर्चा की। बताया कि कार्यक्रम की रूपरेखा आइआइटी नई दिल्ली के प्रस्ताव पर भारत सरकार की ओर से संचालित किया जा रहा है। डा. मधु आंगनबाड़ी में पंजीकृत महिलाओं को सरकारी योजनाओं के मिलने वाली सुविधाओं के बारे में बताया। आंगनवाड़ी में मिलने वाली खाद्य सामग्री की जानकारी साझा की। साथ ही मोटे अनाज रागी, ज्वार व बाजरा की पौष्टिक तत्वों को समझाया। मुख्यमंत्री फैलो डा. मधु शास्त्री, पंचायत सहायक रेवती, ग्राम प्रधान सुशीला यादव, गृह विज्ञान विभाग की छात्राओं निर्जला, संध्या, श्रद्धा, रेशमा व कुसुम ने आयोजन संपन्न कराने में सहयोग किया।

Report on workshop on Menstrual Health and Hygiene for adolescent girls

Date:24/03/2025
Venue: Village Lalanagar

Kashi Naresh Government Post Graduate College, Gyanpur Bhadohi organized a workshop on the subject of menstrual health and hygiene in Rajendra Baranwal Girls Inter College under Unnat Bharat Abhiyan. Nodal Officer Dr. Rashmi Singh, while highlighting the objective of the program, said that people have less knowledge about menstrual hygiene habits and these habits become a threat to their reproductive health. Talking about menstruation among adolescent girls will end their hesitation. This includes the correct use of disposable sanitary napkins, regular cleaning and following other hygiene measures. Dr. Madhu emphasized on eating iron-rich food during this period. She demonstrated some special asanas like Pranayam, Anulom Vilom, Cat and Cow Asana and Badhak Asana which are helpful in reducing the pain during menstruation. Dr. Madhu Shastri, Chief Minister Fellow, gave information about the ongoing schemes related to the health of adolescent girls by the government. Dr. Geeta Yadav and Dr. Shefali Singh gave information about the cleanliness to be maintained at this time. They also told the method of correct disposal of used sanitary pads. Along with this, they requested the school teachers to also inform the students about this subject so that they can help the women of their houses during such times. College students Srishti and Tanya Dubey told about their own venture based on sanitary pads. They told the students to use sanitary pads, tampons or menstrual cups and change them at regular intervals. At the end of the program, sanitary pads were also distributed among the students.

Youtube link: https://youtu.be/76BjA72CB8Y?si=MRSUeIcgtIcytcM8

छात्राओं को दी सेनेटरी नैपकिन के प्रयोग व निस्तारण की जानकारी

संवाद सहयोगी, जागरण● ज्ञानपुर (भदोही) : काशी नरेश राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, ज्ञानपुर की ओर से उन्नत भारत अभियान के अंतर्गत राजेंद्र बरनवाल बालिका इंटर कालेज में मासिक धर्म स्वास्थ्य और स्वच्छता विषय पर कार्यशाला का आयोजन सोमवार को किया गया। नोडल अधिकारी डा. रश्मि सिंह ने छात्राओं को सफाई और अन्य हाइजीन उपायों को लेकर जागरुक किया।

- कानरा महाविद्यालय की ओर से आयोजित की गई कार्यशाला
- मासिक धर्म के दौरान उपयोगी योग आसनों को करके दिखाया

उन्होंने कार्यशाला के उद्देश्य पर प्रकाश डालते हुए बताया कि माहवारी स्वच्छता की आदतों के बारे में लोगों में कम जानकारी होती है। जो उनके प्रजनन स्वास्थ्य के लिए खतरा बनती है। किशोरियों के मध्य मासिक धर्म से जुड़ी बातें करने से ही उनकी हिचक दूर होगी। इसमें डिस्पोजेबल सैनिटरी नैपकिन का सही इस्तेमाल, नियमित रूप से सफाई और अन्य हाइजीन उपायों का पालन करना शामिल होता है। डा. मधु ने इस अवधि के मध्य आयरन युक्त आहार लेने पर जोर दिया।

विशेष योग आसनों प्रणायाम, अनुलोम विलोम, कैट एंड काउ आसन और बाधकोन आसन करके दिखाया जो मासिक धर्म के समय होने वाले दर्द को कम करने में सहायक होते है। डा. मुख्यमंत्री फेलो मधु शास्त्री ने शासन की ओर से किशोरियों के स्वास्थ्य संबंधी चल रही योजनाओं की जानकारी दी।

डा. गीता यादव व डा. शेफाली सिंह ने इस समय रखी जाने वाली साफ-सफाई की जानकारी दी। प्रयोग किये गए सैनिटरी पैड्स के सही निस्तारण का तरीका भी बताया। छात्राओं सृष्टि व तान्या दुबे ने सैनिटरी पैड पर आधारित अपने स्वयं के उद्यम के विषय में बताया।

K. N. Government P. G. College, Gyanpur, Bhadohi-221304, U.P.
(Accredited B+ Grade by NAAC 2023)
Supported with: DBT Star College Scheme and DST-FIST
Affiliating University: Maa Vindhyavasini University, Mirzapur, U.P.
Email: kngpggyn@gmail.com website: www.kngpgc.ac.in

Report on workshop on Physical and Mental Health of children

Date: 28/03/2025, Venue: Village Bhusaila

A workshop on the topic 'Mental and Physical Health of Children' was organized in Primary School, Chaktodar under the leadership of Principal Professor (Dr.) Ramesh Chandra Yadav. Students of 9-10 years of age participated in the program. Program coordinator Dr. Vipul Kumar, while highlighting the objective of the program, said that it is necessary to create a healthy and balanced environment for the physical and mental development of children. Since a healthy body houses a healthy mind. It is very important to keep the body healthy for the all-round development of children. For this, children were trained in Jacobson muscle relaxation technique, which reduces stress, improves sleep quality and increases the ability to concentrate. Program co-coordinator Dr. Ravi Kumar Yadav said that childhood and adolescence are important stages of life for mental health. This is the time when the brain grows and develops rapidly. Children and adolescents acquire cognitive and socio-emotional skills that shape their future mental health and are important for playing adult roles in society. Dr. Rashmi Singh said that in this workshop, children were taught ways to adopt a healthy lifestyle, deal with stress and become emotionally strong. Apart from this, techniques to increase the logic and memory of children were explained and activities were practiced to know their creative potential. Dr. Geeta Yadav and Dr. Shefali Singh helped in conducting paper pencil test to understand the logic, memory and creative ability of children. Children were rewarded in view of their creative ability. Apart from this, Dr. Madhu Shastri contributed significantly in making this program successful. Principal of Primary School, Chaktodar, Mr. Parth Vrat Tripathi and his associate teachers Sandhya Maurya, Bindu Singh, Sapna Devi and Amita Devi actively contributed in making this program successful.

You tube link: https://youtu.be/Ivqnzpk2Kwo?si=hD7TrfaQPujrg-FO

www.jagran.com

शारीरिक-मानसिक विकास के लिए स्वच्छ और संतुलित माहौल जरूरी

संवाद सहयोगी, जागरण• ज्ञानपुर (भदोही) : काशी नरेश राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय ज्ञानपुर की ओर से उन्नत भारत अभियान अंतर्गत प्राथमिक विद्यालय, चकटोडर में बच्चों के मानसिक व शारीरिक स्वास्थ्य विषय पर कार्यशाला का आयोजन किया गया। इसमें बच्चों को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक किया गया।

प्राचार्य प्रो. रमेशचंद्र यादव के नेतृत्व में आयोजित कार्यशाला में कार्यक्रम समन्वयक डा. विपुल कुमार ने बताया कि बच्चों के शारीरिक और मानसिक विकास के लिए एक स्वच्छ और संतुलित माहौल बनाना आवश्यक है। बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए शरीर को स्वस्थ्य रखना अति आवश्यक है। इसके लिए बच्चों को जैकबसन, मांसपेशी विश्राम तकनीक का प्रशिक्षण दिया। बताया कि इससे तनाव में कमी आती है। नींद अच्छी आती है तो ध्यान केंद्रित करने की क्षमता बढ़ती है। कार्यक्रम के सह-समन्वयक डा. रवि कुमार यादव ने कहा कि बचपन और किशोरावस्था मानसिक स्वास्थ्य के लिए जीवन के महत्वपूर्ण चरण हैं। यह वह समय है जब मस्तिष्क में तेजी से वृद्धि और विकास होता है। बच्चे और किशोर संज्ञानात्मक और सामाजिक-भावनात्मक कौशल प्राप्त करते हैं जो उनके भविष्य के मानसिक स्वास्थ्य को आकार देते हैं। डा. रश्मि सिंह ने बच्चों को स्वस्थ जीवनशैली अपनाने, तनाव से निबटने और भावनात्मक रूप से मजबूत बनने के तरीके सिखाए। डा. गीता यादव और डा. शेफाली सिंह ने बच्चों के तार्किक, स्मृति और सृजनात्मक क्षमता को समझने के लिए पेपर पेंसिल परीक्षण को कराने में मदद किया। बच्चों की सृजनात्मक क्षमता को देखते हुए उन्हें पुरस्कृत किया गया। डा. मधु शास्त्री ने महत्वपूर्ण योगदान दिया।

चकटोडर में बच्चों को जानकारी देते केएनपीजी कालेज के शिक्षक • जागरण

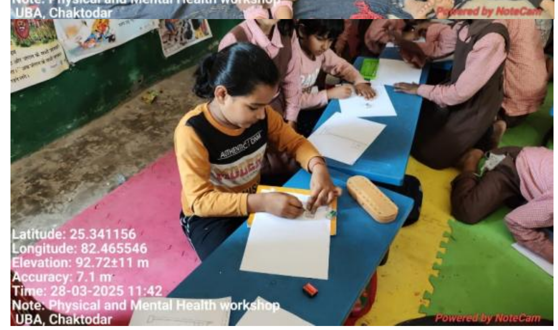

K. N. Government P. G. College, Gyanpur, Bhadohi-221304, U.P.
(Accredited B+ Grade by NAAC 2023)
Supported with: DBT Star College Scheme and DST-FIST
Affiliating University: Maa Vindhyavasini University, Mirzapur, U.P.
Email: kngpggyn@gmail.com website: www.kngpgc.ac.in

Report on awareness for ban on plastic and for communicable diseases

Date: 02/10/2024, Venue: Gopipur and Girdharpur

Gandhi Jayanti was celebrated as Cleanliness is Service under the Unnat Bharat Abhiyan in Kashi Naresh Government Post Graduate College, Gyanpur, Bhadohi. Under this, special Gram Sabha was organised in two of the selected villages, Girdharpur and Gopipur. Under the leadership of Dr Ravi Yadav, the students of Gopipur explained the ill effects of using plastic through street play. Under the guidance of Dr Vipul Kumar, an awareness campaign was run in Girdharpur village on the importance of cleanliness and health. By talking to the villagers, the students told them about the ways to prevent the communicable diseases prevalent in the present times.

Youtube link: https://youtu.be/BsHOOjzOzfM?si=q0DG1qHcSMe7ijff

शिक्षण संस्थानों में याद किए गए गांधी व शास्त्री जी

संवाद सहयोगी, जागरण •ज्ञानपुर (भदोही) : महात्मा गांधी व जय जवान, जय किसान का नारा देने वाले लालबहादुर शास्त्री का जन्म दिवस बुधवार को शिक्षण संस्थानों में विविध आयोजनों के साथ मनाया गया। परिषदीय से लेकर उच्च शिक्षा तक के विद्यालयों, महाविद्यालयों में आयोजित कार्यक्रमों में दोनों महापुरुषों के चित्र पर माल्यार्पण कर श्रद्धासुमन अर्पित किया गया। छात्र-छात्राओं को उनके त्याग व बलिदान से अवगत कराते हुए उनके विचारों को आत्मसात करने का संकल्प दिलाया गया।

काशी नरेश राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय ज्ञानपुर में आयोजित कार्यक्रम में प्राचार्य प्रो. रमेशचन्द्र यादव, प्रो. घनश्याम मिश्र सहित अन्य प्राध्यापकों ने दोनों महापुरुषों की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया। प्रो. घनश्याम मिश्र ने गीता, डा. विनय मिश्र व हैदर हुसैन ने कुरान का पाठ किया। सर्वधर्म समभाव संकीर्तन का

- परिषदीय से लेकर उच्च शिक्षा के संस्थानों में आयोजित किए गए विविध कार्यक्रम
- महापुरुषों के चित्र पर माल्यार्पण कर उनके विचारों को आत्मसात करने का संकल्प

अयोजन हुआ। राष्ट्रीय सेवा योजना व एनसीसी के छात्र-छात्राओं ने डा. संतोष कुमार आर्य, डा. श्रीश कुमार उपाध्याय एवं एनसीसी प्रभारी डा. राहुल के निर्देशन साफ-सफाई की।

इसी तरह महाविद्यालय के छात्र-छात्राओं ने उन्नत भारत अभियान के अंतर्गत डा. रवि यादव व डा. रश्मि सिंह के नेतृत्व में गोपीपुर में नुक्कड़ नाटक के जरिए प्लास्टिक प्रयोग से होने वाले दुष्प्रभावों को समझाया तो डा. विपुल कुमार के नेतृत्व में गिरधरपुर गांव में स्वास्थ्य का स्वच्छता से संबंध में जागरूकता अभियान चलाया। जिला विद्यालय निरीक्षक कार्यालय में डीआइओएस अंशुमान, बीएसए कार्यालय में बीएसए भूपेंद्र नारायण सिंह के नेतृत्व में दोनों महापुरुषों की जयंती मनाई गई।

उनके चित्र पर माल्यार्पण कर श्रद्धासुमन अर्पित किया गया। कंपोजिट विद्यालय ज्ञानपुर में बच्चों को महात्मा गांधी व लाल बहादुर शास्त्री जीवन आदर्शों से अवगत कराया। सतगुरु प्यारी श्रीवास्तव, अखिलेश कुमार, विमल कुमार, शिवम श्रीवास्तव आदि थे। इसी तरह विभूति नारायण राजकीय इंटर कालेज ज्ञानपुर सहित अन्य विद्यालयों में भी कार्यक्रम आयोजित कर दोनों महापुरुषों की जयंती मनाई गई। उनके आदर्श व सिद्धांतों से अवगत कराते हुए उनके विचारों को आत्मसात करने का संकल्प दिलाया गया।

स्वच्छता की दिलाई शपथ, खेती की दी जानकारी

कृषि विज्ञान केंद्र बेजवां के सभागार में महात्मा गांधी व पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री के जयंती मौके पर आयोजित कार्यक्रम में केंद्र के अध्यक्ष डा. विश्वेंदु द्विवेदी ने स्वच्छता की शपथ दिलाई। उपस्थित किसानों को स्वच्छ गांव, स्वस्थ गांव व समृद्ध गांव बनाने को लेकर हर स्तर पर प्रयास करने पर जोर दिया। कृषि प्रसार विशेषज्ञ डा. आरपी चौधरी ने स्वच्छता के फायदे व कृषि की सम सामयिक जरूरत पर प्रकाश डाला। मृदा विशेषज्ञ ताराचंद बैरवा कंपोस्ट खाद बनाने व फसल अवशेषों का समुचित निस्तारण करने की जानकारी दी। सर्वेश बरनवाल, डा. प्रभाष चंद्र सिंह मौसम अनुकूल खेती के साथ अन्य जानकारी दी। भरतपुर के पूर्व प्रधान रामपति बिन्द, श्यामधर सिंह, पन्नालाल चौहान, रामनाथ बिंद, माला, सुनीता सहित बड़ी संख्या में प्रगतिशील किसान थे।